अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़ मे दिनांक 17 अक्टूबर, 2014 को "कृषि उत्पाद पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रभाव" विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया. इस संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के तत्वावधान में किया जा रहा है. संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय प्रबंध समिति के प्रधान लाला श्री रतन सिंह गुप्ता और प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता के संरक्षण में किया जा रहा है. महाविद्यालय में आयोजित यह दसवीं राष्ट्रीय संगोष्ठी है. माँ सरस्वती की आराधना तथा वन्दना से कार्यक्रम की शुरुवात की गई.
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो० आर.पी. हुड्डा पूर्व उपकुलपति, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक तथा मुख्य वक्ता प्रो0 बी.पी. सिंह, चेयरमेन, डी.एस.पी.एस.आर., नई दिल्ली तथा विशिष्ट अतिथि के रुप में प्रो० रविन्द्र विनायक (डीन, एकेडेमिक एफेर्यस) महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक तथा प्रो० नरेन्द्र गर्ग (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक) थे.

मुख्य अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के प्रधान लाला श्री रतन सिंह गुप्ता, प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता व संगोष्ठी के संयोजक डॉ0 अनिल सिंघल द्वारा किया गया. पुष्पगुच्छ भेंट करने के पश्चात संगोष्ठी के सचिव डॉ0 मनोज शुक्ला ने एफ.डी.आई. के विषय में सभा को संबोधित किया तथा विषय की सम–समायिकता से अवगत कराया.

मुख्य वक्ता प्रो० वी.पी. सिंह ने संगोष्ठी के आयोजन के लिए प्राचार्य महोदय व संयोजक समिति को बधाई दी और कहा कि आज भी कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है. अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों की तरह कृषि क्षेत्र पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रभाव पड़ता है और भारतीय सभ्यता को ध्यान मे रखकर गाँवों का विकास किया जाना चाहिए. गाँवों के विकास से ही कृषि, उघोगों तथा अर्थव्यवस्था का विकास होगा. और मुख्य अतिथि प्रो० आर.पी. हुड्डा ने कहा कि इस प्रकार की संगोष्ठी से समाज को इस समसामयिक विषय के बारे में जानकारी उपलब्ध होगी, इस प्रकार के सम्मेलनों से विद्यार्थियों को कक्षा के बाहर नई बातें सीखने को मिलती है तथा यह सम्मेलन सरकार को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश संबंधी नीतियाँ बनाने में सहायक साबित होगा.

प्रो० रविन्द्र विनायक (डीन, एकेडेमिक एफेर्यस) महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक को लाईफ टाईम एचिवमेन्ट अवॉर्ड प्रदान किया.
प्राचार्य डॉ० कृष्णकान्त गुप्ता ने शॉल तथा स्मृति चिन्ह भेंट करके उदघाटन समारोह

के अतिथियों को सम्मानित किया. संगोष्ठी के संयोजक डॉ० अनिल सिंघल ने उदघाटन समारोह में उपस्थित अतिथियों, प्रबंध समिति के सदस्यों, प्रैस तथा मीडिया प्रतिनिधियों, प्राध्यापकों, हरियाणा तथा अन्य प्रान्तों से आए शोध प्रतिनिधियों तथा विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापन किया.

इस संगोष्ठी को सात तकनीकि सत्रों में बाँटा गया है जिसमें तीन 17/10/2014 को चलाये गये तथा चार सत्र 18/10/2014 को चलाए जांएगें.

प्रथम तकनीकि सत्र की अध्यक्षता डॉ0 संकेत विज, बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलाँ सोनीपत के द्वारा की गई.

द्वितीय तकनीकि सत्र की अध्यक्षता प्रो0 नरेन्द्र गर्ग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा की गई तथा इस सत्र में आमंत्रित वार्ता प्रो0 संजीव मित्तल, जी.जी.एस.आई.पी.वी., नई दिल्ली तथा डॉ0 संकेत विज, बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलाँ द्वारा रखी गई. इस सत्र में एफ.डी.आई. से संबंधित तकनीकि पहलुओं पर गहन विशलेषण किया गया.

तृतीय तकनीकि सत्र की अध्यक्षता प्रो० रविन्द्र विनायक (डीन, एकेडेमिक एफेर्यस) महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा की गई तथा इस सत्र में आमंत्रित वार्ता प्रो0 बलविन्दर कुमार सैनी, गुरुनानक देव यूनिर्वसिटी, अमृतसर द्वारा रखी गई.

संगोष्ठी में महाविद्यालय के वाणिज्य, प्रबन्ध, तथा अर्थशास्त्र विभाग के सभी प्रव्क्ता उपस्थित थे.